पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 01.06.2018 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

हरिद्वार गुरुकुल कांगड़ी चलो

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महा सम्मेलन

दिनांक 6,7 व 8 जुलाई 2018

आयोजक:

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

नई दिल्ली

सम्पर्क:-011-23274771,9013783101

वर्ष-35 अंक-1 ज्येष्ठ-2075 दयानन्दाब्द 194 01 जून से 15 जून 2018 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.06.2018, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली का आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

संस्कारित बालिकायें सशक्त राष्ट्र का आधार – डा. रिखबचन्द जैन, चेयरमैन, टीटी ग्रुप

एक बालिका के निर्माण से दो परिवारों का निर्माण – डा.अनिल आर्य

मुख्य अतिथि डा.रिखबचन्द जैन को सम्मानित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, उर्मिला आर्या, राजरानी अग्रवाल, प्रवीन आर्या। द्वितीय चित्र–पार्षद मन्जु खण्डेलवाल का स्वागत करते रेखा शर्मा, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करना, राजरानी अग्रवाल, प्रवीन आर्या,डिम्पल भण्डारी आदि।

रविवार, 27 मई 2018, केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में दिनांक 20 मई से 27 मई 2018 तक आठ दिवसीय ''विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर'' का आयोजन गीता भारती पब्लिक स्कूल, अशोक विहार, फेज–2, दिल्ली में शिक्षाविद् श्रीमती राजरानी अग्रवाल के सान्निध्य में किया गया। शिविर में आठ दिन तक 185 बालिकाओं ने योगासन, जूडो कराटे, लाठी, तलवार, लेजियम, डम्बल, स्तूप, संध्या यज्ञ व भारतीय संस्कृति का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डा. रिखबचन्द जैन (चेयरमैन, टी.टी. ग्रुप) ने कहा कि संस्कारित बालिकायें ही सशक्त राष्ट्र का आधार हो सकती हैं। आज लड़के और लड़कियों की जनसंख्या में अनुपात बराबर न होने के कारण समाज में कई प्रकार की समस्यायें पैदा हो रही है। समाज को कन्या भ्रूण हत्या से होने वाली समस्या को गम्भीरता से समझना चाहिये।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि भौतिकवाद के युग में देश की नयी युवा पीढ़ी संस्कारों से दूर होती जा रही है ऐसे समय में इन चरित्र निर्माण शिविरों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है कि वह संस्कारवान बने ओर साथ ही वह अपनी पुरातन भारतीय संस्कृति पर गर्व करना सीखें। इन शिविरों से ही सबल राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा 22 शिविरों का आयोजन ग्रीष्म अवकाश में विभिन्न स्थानों पर चल रहा है।

समारोह अध्यक्ष रचना आहूजा (प्रदेश महामंत्री, प्रान्तीय आर्य महिला सभा) ने कहा कि जो यहां रह कर सीखा है वह हमेशा याद रखना है तथा वह सब जीवन पर्यन्त काम आयेगा। वैदिक विद्वान आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, रविदेव गुप्ता, जितेन्द्र डावर, अर्चना पुष्करना, नीता खन्ना, अनिता कुमार, आचार्य विजयभूषण आर्य आदि ने अपने विचार रखे। प्रदेश अध्यक्षा उर्मिला आर्या ने कुशल संचालन किया। शिविर अध्यक्ष शिक्षाविद् राजरानी अग्रवाल ने कहा कि कन्याओं के निर्माण का कार्य सराहनीय प्रयास है हम इस पुनीत कार्य को जारी रखेंगे। श्रीमती कविता आर्या, प्रवीन आर्या, सरस्वती, चिंकी व अनिता आर्या ने भजन सुनाये।

उद्घाटन समारोह के अवसर पर पूर्व विधायक श्री मांगेराम गर्ग, पूर्व विधायक डा.महेन्द्र नागपाल, विधायक श्री राजेश गुप्ता, पार्षद योगेश वर्मा, मन्जु खण्डेलवाल, ओम सपरा (प्रधान,उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल), गोपाल आर्य, सतीश शास्त्री, परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई आदि ने अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

प्रमुख रूप से डा. आर. के. आर्य (स्वदेशी फार्मेसी, हरिद्वार), गीता सचदेवा, अशोक आर्य,पी.के.सचदेवा, सत्यपाल गांधी, बृजमोहन गर्ग, समीर सहगल, धर्मपाल आर्य, रवि चड्डा, देवेन्द्र गोयल, वेदप्रकाश आर्य, भारतभूषण ग्रोवर, अन्जु जावा, मीना आर्या, यशोवीर आर्य, रामकुमारसिंह, देवेन्द्र भगत, अरूण आर्य, विजय हंस, प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), सन्तोष शास्त्री, वीरेश आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, के. के. सेठी, काशीराम शास्त्री, राजीव आर्य, ऋतु मल्होत्रा, सतीश शास्त्री, अभयदेव शास्त्री, योगेन्द्र शास्त्री, इन्दु मेहता, डा. सुषमा आर्या, सुषमा पाहुजा, आशा भटनागर, वरूण आर्य, माधव सिंह, शिवम मिश्रा, गौरव सिंह आदि उपस्थित थे। व्यायामाचार्य सौरभ गुप्ता के निर्देशन में मनीषा,नेहा, प्रगति, करूणा, पिंकी ने शिक्षण प्रदान किया। ऋषि लंगर का आनन्द लेकर सभी विदा हुए।

सेवा निवृत होने पर श्रीमती प्रवीन आर्या का आर्य युवती परिषद् की ओर से अभिनन्दन किया गया,पूर्व विधायक मांगेराम गर्ग स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए,साथ में प्रि. राजरानी अग्रवाल,अनिल आर्य,कविता आर्या,उर्मिला आर्या। द्वितीय चित्र में बालिकायें कराटे प्रदर्शन करते हुए।

अमेरीकी शासन की कुछ विशेषताएं

कृष्णचन्द्र गर्ग

1. अमेरिका में देश के लिए राष्ट्रपति, प्रान्त के लिए राज्यपाल तथा नगर के लिए नगरपालिका अध्यक्ष - ये सभी सीधे जनता के द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए सांसदों को, विधायकों को और पार्षदों को चुनावों के पश्चात आपसी गठजोड़ करने की या खरीद-बेच करने की जरूरत नहीं पड़ती।
2. विधायिका (Legislative) और कार्यपालिका (Executive) अलग अलग हैं। संसद विधायिका का काम करती है और राष्ट्रपति के ऊपर कार्यपालिका की जिम्मेदारी है।
3. संसद के दो सदन हैं-सैनेट (Senate) और House of Representatives. सैनेट के 100 सदस्य हैं जो हर प्रांत से दो के हिसाब से हैं। House of Representatives के 435 सदस्य हैं। वे हर प्रांत से आबादी के हिसाब से कम या ज्यादा हैं।
4. सांसद और विधायक-मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री नहीं बनाए जाते और न ही उन्हें कोई और लाभ का पद दिया जाता है। वे सांसद और विधायक ही बने रहते हैं। इसलिए उनका सम्बंध सीधा जनता से रहता है और वे जनता के लिए अच्छी व्यवस्थाएं बनाते हैं।
5. प्रशासन में राष्ट्रपति के सहायक के रूप में सचिव (Secretaries) हैं जिनकी संख्या 10-12 निश्चित है। राष्ट्रपति सारे देश में से योग्यता के आधार पर सचिवों का चयन करते हैं। उनकी स्वीकृति सैनेट (ससंद का एक सदन) देती है।
6. अपने स्वार्थ के लिए कोई भी चुनाव आगे पीछे नहीं कर सकता। राष्ट्रपति और संसद के चुनावों की तिथियां संविधान के द्वारा ही निश्चित की हुई हैं।
7. अवधि (Term)-राष्ट्रपति की अवधि चार वर्ष है। कोई भी व्यक्ति दो से अधिक बार राष्ट्रपति नहीं बन सकता।
   संसद के एक सदन House of Representatives की अवधि दो वर्ष है तथा दूसरे सदन सैनेट (Senate) की अवधि छः वर्ष है। हर दो वर्ष के पश्चात सैनेट के एक तिहाई सदस्य नये चुनकर आते हैं।
8. उप-चुनाव (Bye Elections) नहीं होते। राष्ट्रपति का पद खाली होने पर अगले चुनाव तक के लिए उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति बना दिया जाता है। उपराष्ट्रपति का पद खाली होने पर संसद की स्वीकृति से राष्ट्रपति देश में से किसी भी योग्य व्यक्ति को अगले चुनाव तक के लिए उपराष्ट्रपति बना देते हैं।
   राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव एक जोड़े (Team) के तौर पर होता है, अलग अलग नहीं।
   संसद का कोई स्थान खाली होने पर उसी निर्वाचन क्षेत्र (Constituency) का और उसी राजनैतिक दल का कोई व्यक्ति अगले चुनाव तक के लिए मनोनीत कर दिया जाता है।
   संसद भी कभी भी बीच में ही भंग नहीं होती क्योंकि संसद का अस्तित्व किसी प्रस्ताव के पास या फेल होने पर आश्रित नहीं है। इसलिए मध्यावधि चुनाव भी नहीं होते।
9. सांसद या राष्ट्रपति अपने वेतन-भत्ते स्वयं नहीं बढ़ा सकते। इस सम्बन्ध में जब कोई प्रस्ताव पास होता है वह उस समय के सांसदों या राष्ट्रपति पर लागू नहीं होता। उनकी अवधि पूरी होने पर अगली संसद या राष्ट्रपति पर लागू होता है।
10. न्यायपालिका-पूर्ण रूप से स्वतन्त्र तथा निष्पक्ष है। बड़े मामलों का फैसला आम जनता में से चुने गए 12 लोगों की ज्यूरी (Jury) के द्वारा सर्वसम्मति से किया जाता है। उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) में 9 जज हैं। उनकी नियुक्ति आयुभर के लिए होती है। कोई स्थान खाली होने पर राष्ट्रपति किसी व्यक्ति को मनोनीत (Nominate) करते हैं। सैनेट की बहुमत से स्वीकृति के बाद ही वह व्यक्ति उच्चतम न्यायालय का जज बन पाता है।
    उच्चतम न्यायालय के पास जो भी मामला आता है उसके लिए सभी 9 जज बैठते हैं और बहुमत से फैसला करते हैं।
11. देश में कोई भी दिखावे का पद (Ceremonial Office) नहीं है। सभी के लिए पद के हिसाब से काम है तथा उसी हिसाब से वेतन है।
12. चुनाव के लिए टिकट-कोई भी राजनैतिक दल किसी को भी चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं देता। सभी को उम्मीदवारी टिकट जनता में स्वयं लेना होता है। प्राईमरी (Primary) चुनाव के द्वारा जनता जिसे ठीक समझती है उसे अधिक वोट देकर अपना उम्मीदवार बनाती है।
    इसीलिए किसी पार्टी का टिकट न मिलने पर कोई व्यक्ति पार्टी नहीं बदलता। वहां पर किसी भी व्यक्ति द्वारा पार्टी बदलना लगभग न के बराबर है।
13. मन्त्रियों के कोटे (Quotas) या सांसद निधि आदि नहीं हैं। सांसदों, सचिवों, जजों, सरकारी अफसरों आदि को सरकार की तरफ से कार, कोठी, नौकर आदि भी नहीं दिए जाते।
14. साम्प्रदायिकता-किसी भी मजहब के आधार पर देश में कोई भी कानून नहीं है। सभी कानून समता के आधार पर बने हैं। मजहब सभी के लिए एक निजी और व्यक्तिगत विषय है, राष्ट्रीय या सरकारी विषय नहीं है। किसी भी मजहब को बढ़ावा नहीं दिया जाता। इसलिए साम्प्रदायिक दंगे नहीं होते। किसी भी मजहब को लाउड स्पीकर सार्वजनिक स्थानों पर लगाने की इजाजत नहीं है। वहां पर हज यात्रा के लिए सब्सिडी नहीं दी जाती। ट्रिपल तलाक आदि की समस्याएं वहां नहीं हैं।
15. जातपात का नामोनिशान नहीं है। कोई उँच-नीच नहीं जानता।
16. कोई भी किसी प्रकार का भी आरक्षण नहीं है। सभी कुछ योग्यता के आधार पर है। जो जिसके योग्य है उसे वह काम मिल जाता है। योग्यता बढ़ाने के लिए सभी को अवसर उपलब्ध हैं।
17. शिक्षा-हाई स्कूल अर्थात 12 वर्ष तक की शिक्षा पूर्णतया निशुल्क है और दस वर्ष तक की शिक्षा सभी लड़के-लड़कियों के लिए अनिवार्य है।
    आरम्भ से अन्त तक की सारी शिक्षा में अध्यापक ही परीक्षक होता है। जो अध्यापक पढ़ाता है वही परीक्षा पत्र तैयार करता है और वही उन्हें जांचता है, वही विद्यार्थियों को ग्रेड देता है और उन्हें पास फेल करता है।
    दसवीं तक की शिक्षा अनिवार्य होने से देश की जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण रहता है क्योंकि पढ़े लिखे लोगों के बच्चे कम होते हैं। इससे बेरोजगारी पर नियन्त्रण लगता है, बाल विवाह और बाल मजदूर नहीं होते।
    लगभग सभी स्कूल स्थानीय सरकारों के अधीन होते हैं। प्राईवेट स्कूल तो कोई बिरला ही होता है। सरकारी स्कूलों का स्तर (standard) बड़ा उँचा होता है।
18. नौकरी की सुरक्षा (Security of Service) नहीं है। इसलिए लोग मेहनत और इमानदारी से काम करते हैं। रोटी की सुरक्षा (Security of Bread) सबके लिए है।
19. भाषा-अमेरिका में सैंकड़ों भाषाएं बोलने वाले लोग रहते हैं। परन्तु केन्द्र सरकार तथा सभी प्रान्तीय सरकारों की भाषा एक ही है-अंग्रेजी। इसलिए सारा देश एक इकाई के रूप में उभरा है।
20. मेहनत करने वाला कोई भी व्यक्ति गरीब नहीं है। मेहनत से कोई भी व्यक्ति थोड़े ही समय में अपनी गरीबी दूर कर सकता है। शारीरिक काम करने वालों को मेहनताना दफतरों में काम करने वालों से कम नहीं मिलता।
21. राजनेताओं के पास कोई व्यक्तिगत अधिकार नहीं होते। इसलिए लोग उनके आगे पीछे नहीं फिरते। वैसे भी खुशामद करना या गिड़गिड़ाना बहुत बुरा माना जाता है। दफतरों में भी गिड़गिड़ाना नहीं पड़ता। आत्म स्वाभिमान को महत्व दिया जाता है।
22. मुद्रा (Currency)—अमेरिका में स्थिरता इतनी है कि पिछले पचास वर्षों में वहां की करंसी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। आज भी वही नोट और वही सिक्के हैं जो पचास वर्ष पहले थे।
    एक और विशेष बात-वहां के हर सिक्के पर लिखा रहता है-"In God We Trust" अर्थात हमें ईश्वर की सत्ता में विश्वास है।
23. अर्थ व्यवस्था का आधार-निजि क्षेत्र (Private Sector) है। बस, रेल, हवाई जहाज, टैलिफोन, टैलिविजन, रेडियो, समाचार पत्र, बिजली, पानी, बैंक, बीमा-सभी जनता के निजि हाथों में हैं। स्कूल और पुलिस स्थानीय सरकारों के पास हैं। पोस्ट आफिस केन्द्रीय सरकार के पास है।
    इग्लैण्ड के पूर्व प्रधानमंत्री और बड़े राजनीतिज्ञ विंसटन चर्चल (Winston Churchill) ने कहा था - 'Destroy free market, you create black market' अर्थात स्वतन्त्राा बाजार समाप्त करने का मतलब है काला बाजार पैदा करना।
24. अमेरिका में कार्यकु'ालता के कारण - (a) कोई आरक्षण नहीं, सभी नौकरियां योग्यता के आधार पर हैं। (b) नौकरी की सुरक्षा नहीं, परन्तु रोटी, कपड़ा, मकान, ि"ाक्षा की सुरक्षा सबके लिए है। (c) सम्मिलित जिम्मेदारी (Collective Responsibility) का सिद्धान्त अमेरिका में नहीं चलता, प्रत्येक व्यक्ति की अपनी जिम्मेदारी है। (d) अर्थ व्यवस्था का आधार निजि क्षेत्र (Private Sector) है।
25. अमरीकी समाज के गुण -(a)Rule of Law — कानून का राज (b) Dignity of Labour —मेहनत का सम्मान (c) Discipline— अनुशासन (d) Punctuality— समय के पाबन्द (e) No Adulteration —कोई मिलावट नहीं (f) Sense of Cleanliness — सफाई की समझ (g)Politeness — नम्रता
26. अमरीकी संविधान - अमेरिका का संविधान 1787 में बना था। उसमें अब तक कुल 27 संशोधन हुए हैं। मूल संविधान तथा सभी संशोधनों को मिलाकर कुल पच्चीस पृष्ठ की पुस्तिका के आकार का अमेरिका का संविधान है। भारत का संविधान उससे बीस गुणा बड़ा है। उसमें एक सौ से अधिक संशोधन हो चुके हैं।
    अमेरिका की सुव्यवस्था, समृद्धि, उन्नति और व्यक्तिगत स्वतंत्राता का श्रेय उनके 231 वर्ष पुराने संविधान को तथा उसे बनाने वालों को ही जाता है।

- 831 सैक्टर 10, पंचकूला, हरियाणा-0172-4010679

॥ ओ३म् ॥

जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

निमन्त्रण पत्र

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

(पंजीकृत)

के 40वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में

डॉ. अशोक कु. चौहान व श्रीमती पुष्पा भाटिया के सानिध्य में

विशाल युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर

स्थान: दयानन्द मॉडल स्कूल, बी ब्लॉक, विवेक विहार, दिल्ली-95

(निकट मैट्रो स्टेशन झिलमिल व दिलशाद गार्डन)

उद्घाटन समारोह
शनिवार 9 जून 2018
सायं 5.00 से 7.30 तक

समापन समारोह
रविवार 17 जून 2018
सायं 5.00 से 7.30 बजे तक

-: विशेष आकर्षण :-

युवकों द्वारा परेड, योगासन, दण्ड बैठक, लाठी, तलवार, जूडो कराटे, स्तूप, लेजियम, कमाण्डो, डम्बल आदि के भव्य व्यायाम प्रदर्शन

आप उद्घाटन व समापन समारोह के अवसर पर सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं

कृपया युवा निर्माण में तन, मन, धन से सहयोग प्रदान करें

समारोह के पश्चात् ''ऋषि लंगर'' अवश्य ग्रहण करें

-: दर्शनाभिलाषी :-

अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामन्त्री	प्रवीन भाटिया विद्यालय प्रबंधक	सीमा भाटिया प्रधानाचार्या
रामकुमार सिंह प्रान्तीय संचालक	गवेन्द्र शास्त्री बौद्धिकाध्यक्ष	आनन्दप्रकाश आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री	विकास गोगिया, विपिन मित्तल शिविर प्रबंधक
अरुण आर्य प्रान्तीय महामन्त्री	धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राकेश भटनागर राष्ट्रीय मंत्री	देवेन्द्र भगत प्रेस सचिव	सुरेश आर्य, प्रवीण आर्य राष्ट्रीय मंत्री

हम मस्तों में आन मिले ॥ ओ३म् ॥ कोई हिम्मत वाला रे

अभावों के बावजूद रहते हैं हम नम्बर वनः यानी सबसे आगे

-: स्वागत समिति :-

संतोष मुन्जाल	वीना थरेजा	वेदप्रकाश आर्य	डॉ. रिखबचन्द जैन
योगेश मुन्जाल	संजीव सेठी	जगदीश आर्य	हरिमोहन शर्मा (बब्बु)
पवनकान्त मुन्जाल	बलदेव सचदेवा	सुरेन्द्र कोछड़	भगवती पेन्ट्स
सुमनकान्त मुन्जाल	ओमप्रकाश यजुर्वेदी	सुवेश डोगरा	अर्जुनदास बत्रा
जे.के. मेहता	चत्तरसिंह नागर	सुनील गुप्ता	ओमप्रकाश अरोड़ा
सहदेव नागिया	ओमवीर आर्य	सुषमा अरोड़ा	आदर्श सहगल
रणसिंह राणा	कृष्णलाल राणा	राजीव मुखी	विनीत चावला
रामकृष्ण तनेजा	रविदेव गुप्ता	विनोद कालरा	नीरज बघई
राजीव चौधरी	देवदत्त आर्य	राजीव आर्य	डॉ. सत्येन्द्र वोहरा
शशि-मोहन चान्दना	प्रकाशवीर शास्त्री	वीरेन्द्र आहूजा	महेश सिंघल
योगेन्द्र चुघ	रामकुमार भगत	अनिल मित्रा	आर.एस. त्यागी
अनिल मलहोत्रा	महेन्द्र टांक	वेद खट्टर	यशपाल शर्मा
रतनाकर बत्रा	सुनीता बुग्गा	अजय खट्टर	विनोद त्यागी
चौ. ब्रह्मप्रकाश मान	विकास अग्रवाल	नरेश विग	ज्ञानेन्द्र सिंह आर्य
मनोज मान	जवाहर भाटिया	नरेन्द आर्य सुमन	तेजपाल सिंह आर्य
हंसराज चुघ (भी.ए.)	नरेन्द्र कालरा	स्वर्णा आर्या	मे.ज. आर.एस. भाटिया
डॉ. संजय महेन्द्रु	नीता खन्ना	रेखा शर्मा	कै. अशोक गुलाटी
धर्मपाल परमार	रमेश गाडी	सुरेश नागपाल	सुशील गुलाटी
नरेन्द्र कस्तूरिया	सतीश आर्य	देवमित्र आर्य	विजय कपूर
अमरनाथ बत्रा	राजरानी अग्रवाल	रविन्द्र आर्य	अमरनाथ गोगिया
हीरालाल चावला	देवेन्द्र गोयल	मोहनलाल साहनी	सुशील वाली
सुशील-शिवदत्त सलवान	अशोक सहदेव	सतीश नारंग	डिम्पल-नीरज भंडारी
सरोजनी दत्ता	शोभा सेतिया	प्रमोद सपरा	कर्नल बंसी कौल
मधु सिंह	वेदप्रभा थरेजा	केवल कृष्ण सेठी	ओमप्रकाश आर्य
यशपाल शास्त्री	ओम सपरा	राजीव कोहली	विजय गुप्त
अमरसिंह सहरावत	गोपाल आर्य	नीरज रायजादा	लक्ष्मी सिन्हा
जगदीश मलिक	रामलुभाया महाजन	तृप्ता-एस.के. आहूजा	प्रेमपाल शास्त्री
राव हरिशचन्द आर्य	शिव कुमार गुप्ता	अशोक कथूरिया	धर्मपाल कुकरेजा
नीता-अशोक जेठी	अरुण अग्रवाल	बलराज सेजवाल	भरत खण्डेलवाल
महेश भार्गव	डॉ. वीरपाल विद्यालंकार	सुधीर खुराना	सुरेन्द्र बुद्धिराजा
रामेश्वर गोयल	प्रतिभा जुनेजा	सरोज भाटिया	गुरुदत्त तिवारी
सोहनलाल मुखी	ओम प्रकाश भावल	मुनीष चौटानी	अनिल सिंघल
शिव भगवान लाहोटी	कृष्णचन्द पाहूजा	आदर्श आहूजा	निखिल थरेजा

केन्द्रीय कार्यालय

आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007

फोन: 9810117464, 9971467978, 9818530543, 9810493055

Email: aryayouthn@gmail.com • Website: www.aryayuvakparishad.com

Join us at: www.facebook.co/groups/aryayouth/

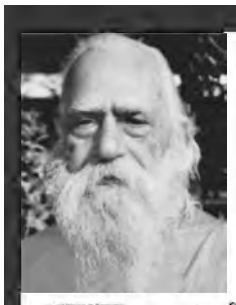

॥ ओ३म् ॥

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

उद्घाटन समारोह

स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती जन्म शताब्दी को समर्पित

शनिवार, 9 जून 2018, सायं 5 से 7:30 बजे तक

स्थान: दयानन्द मॉडल स्कूल, बी. ब्लॉक, विवेक विहार, दिल्ली-95

मुख्य अतिथि

श्री ओमप्रकाश शर्मा (विधायक, दिल्ली सरकार)

अध्यक्षता : श्री मायाप्रकाश त्यागी जी
(कोषाध्यक्ष, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली)

ध्वजारोहण : श्री राजीव कुमार परम
(अध्यक्ष, परम डेयरी ग्रुप)

मुख्य वक्ता : डॉ. जयेन्द्र आचार्य (प्राचार्य, आर्ष गुरुकुल नोएडा)

विशिष्ट अतिथि : श्री जितेन्द्र सिंह शन्टी (पूर्व विधायक)
श्री सुभाष आर्य (पूर्व महापौर दिल्ली)
श्री जयभगवान गोयल (प्रमुख, राष्ट्रवादी शिव सेना)
श्री संजय गोयल (निगम पार्षद), श्री बलदेव गुप्ता (समाज सेवी)
श्रीमती गायत्री मीना (प्रधान, आर्य समाज सेक्टर-33 नोएडा)
श्री गजेन्द्र सिंह (ए.सी.पी. दिल्ली पुलिस), डॉ. डी.के. गर्ग (ईशॉन इन्सीट्यूट)

अभिनन्दन : श्री सत्यभूषण आर्य (एडवोकेट) फरीदाबाद

॥ गरिमामय उपस्थिति ॥

रविन्द्र मेहता	अशोक गुप्ता	जितेन्द्र डावर	रवि चड्डा
एस.एन. डंग	संजीव सिक्का	स्वर्ण गम्भीर	के.एल. वर्मा
कस्तूरी लाल मक्कड़	एच.आर. साहनी	अर्चना पुष्करना	राजेन्द्र लाम्बा
सुरेन्द्र मानकटाला	राकेश चोपड़ा	सुदर्शन तनेजा	विजय भास्कर
अजेय जिन्दल	राजेश मेहन्दीरत्ता	वेदप्रकाश	विजयारानी शर्मा
अशोक सरदाना	सुरेन्द्र शास्त्री	पुष्पलता वर्मा	सुखवीर त्यागी
माता शीला ग्रोवर	टी.आर. गुप्ता	यशपाल आर्य, पार्षद	विजय बत्रा
राकेश ग्रोवर	शशि आर्या	राजपाल पुलियानी	ओमप्रकाश मनचन्दा
पीयूष शर्मा	शालिनी जावा	प्रकाशचन्द आर्य	सुमन नागपाल
सुरेन्द्र गम्भीर	अन्जु जावा	कृष्णा सपरा	राजकुमारी शर्मा
प्रभात शेखर	पं. मेघश्याम वेदालंकार	विनोद गुप्ता	मदनलाल आर्य
हिमांशु शेखर	सुधा-सुरेन्द्र गुप्ता	ओमप्रकाश पाण्डेय	ओमप्रकाश आहूजा
सुधीर सिंघल	ओमप्रकाश नागिया	जगदीश पाहूजा	अनिल आर्य (मुरारी ब्रदर्स)
अनु-विजय आहूजा	भारतभूषण साहनी	के.एल. पुरी	सुनील रसोड़ा

शिक्षक समिति : शंकरदेव आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, आशीष सिंह, प्रदीप आर्य, पिंटू आर्य, गौरव गुप्ता, वरूण आर्य, गौरव सिंह, शिवम मिश्रा, हिमांशु वर्मा, विकास कुमार

मधुर भजन : आचार्य भानु प्रकाश शास्त्री (बरेली) **ऋषि लंगर** : रात्री 7:30 से 8:30 बजे तक

॥ ओ३म् ॥

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

दीक्षान्त – भव्य समापन समारोह

रविवार, 17 जून 2018, सायं 5 से 7.30 बजे तक

स्थान: दयानन्द मॉडल स्कूल, बी. ब्लॉक, विवेक विहार, दिल्ली-95

मुख्य अतिथि

डॉ. हर्षवर्धन जी (केन्द्रीय मन्त्री, भारत सरकार)

श्री महेश गिरी (संसद सदस्य)

अध्यक्षता : डॉ. अशोक कुमार चौहान जी
(संस्थापक अध्यक्ष, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)

ध्वजारोहण : ठाकुर विक्रम सिंह जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण पार्टी)

विशिष्ट अतिथि : श्री आनन्द चौहान (निदेशक, एमिटी शिक्षण संस्थान)
श्री रामनिवास गोयल (अध्यक्ष, दिल्ली विधान सभा)
श्री दर्शन अग्निहोत्री (अध्यक्ष, वैदिक साधन आश्रम)
डॉ. लाजपतराय आर्य चौधरी (करनाल)
श्रीमती रमेश कुमारी भारद्वाज (शिक्षा भारती स्कूल, द्वारका)
श्री वीरेश भाटी (प्रधान, जिला सभा गौतम बुद्ध नगर)
श्री सत्यवीर चौधरी (गाजियाबाद) डॉ. गजराज सिंह आर्य (फरीदाबाद)

॥ गरिमामय उपस्थिति ॥

श्री अरूण बंसल	संजीव आर्य	कपिल कुमार राय	कै. रूद्रसेन सिन्धु
श्री प्रदीप तायल	सुरेन्द्र अरोड़ा	रमेश छाबड़ा	नवीन रहेजा
श्री प्रवीन तायल	यज्ञदत्त आर्य	ओमप्रकाश अग्रवाल	निर्मल रहेजा
श्री हरिराम गुप्ता	प्रेम कुमार सचदेवा	सुभाष चान्दला	विजय आर्य
श्री सुनील अग्निहोत्री	जवाहरलाल कुमार	सुरेन्द्र कोहली	यज्ञवीर चौहान
विजय-दीपचन्द आर्य	चन्द्रमोहन कपूर	पं. रामगोपाल शर्मा	डा. विनोद खेत्रपाल
डा. मुकेश सुधीर	ओम नरेन्द्र विज	प्रि. सुभाष श्योराण	अशोक आर्य
बलराज नागपाल	राजन रखेजा	सुभाष ढींगरा	पं. सुरेश झा
स्वर्णा गुप्ता	डा. सुन्दरलाल कथुरिया	प्रि. अन्जु महरोत्रा	बिजेन्द्र आर्य (नोएडा)
सीमा-रोहित ढींगरा	राज चौधरी	चन्द्रप्रभा अरोड़ा	श्रद्धानन्द शर्मा
डॉ. धर्मवीर आर्य	अजय तनेजा	राजेन्द्र खारी	विकास शर्मा
ओमप्रकाश गुप्ता	ईशकुमार गक्खड़	अंगद सिंह आर्य	आर.एस. तोमर
चौ. रघुनाथसिंह यादव	अमीर चन्द रखेजा	डा. आर.के. आर्य	विजय भाटिया
उर्मिला-महेन्द्र मनचन्दा	क. जे.एस. रैना	जितेन्द्र नरूला	विनोद बजाज
यशपाल चावला	सत्यानन्द आर्य	अमित मान	अविनाश बंसल
तिलकराज चान्दना	सुशीला गुप्ता	महेन्द्र सिंह आर्य	धर्मपाल सिब्बल
धर्मदेव खुराना	संगीता गौतम	ऋषिपाल खोखर	अशोक सिब्बल

ऋषि लंगर : रात्रि 7.30 से 8.30 बजे तक

दिल्ली राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का निमन्त्रण

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' का भव्य आयोजन शनिवार, 9 जून से रविवार, 17 जून 2018 तक दयानन्द मॉडल स्कूल,विवेक विहार,पूर्वी दिल्ली में किया जा रहा है।

शिविर का उद्घाटन समारोह शनिवार, 9 जून को सायं 5 बजे से 7.30 बजे तक होगा व भव्य समापन समारोह रविवार, 17 जून 2018 को सायं 5 से 7.30 बजे तक होगा । सभी आर्य जनों से अपील है कि आर्य समाज की युवा शक्ति को आशीर्वाद प्रदान करने हजारों की संख्या में पंहुचे व अपना तन,मन,धन से सहयोग प्रदान करें। सभी शिविरार्थी शनिवार, 9 जून को दोपहर 12 बजे तक पहुंच जाये – अनिल आर्य

मध्य प्रदेश प्रान्तीय आर्य युवक शिविर इन्दौर में सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 27 मई 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में प्रान्तीय युवक चरित्र निर्माण शिविर प्राज्ञदेव स्कूल, इन्दौर में दिनांक 20 मई से 27 मई 2018 तक सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई पंहुचे, चित्र में उनका अभिनन्दन करते प्रान्तीय अध्यक्ष आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार, यशपाल यश (जयपुर), वीरेन्द्र योगाचार्य फरीदाबाद। दिल्ली से श्री रामकुमारसिंह आर्य भी सम्मिलित हुए। प्रधान शिक्षक प्रणवीर आर्य के निर्देशन में शिक्षण हुआ। सामने आर्य युवक परेड़ करते हुए।

हीरालाल जैन स्कूल, सदर बाजार, दिल्ली में आर्य युवक शिविर सोल्लास सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य दिल्ली के तत्वावधान में हीरालाल जैन स्कूल,सदर बाजार,दिल्ली में 15 मई से 27 मई 2018 तक आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में पुरस्कृत बच्चों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,प्रधानाचार्य श्री निर्मल कुमार जैन,महेन्द्र भाई,रामकुमार आर्य,प्रवीन आर्या,अरूण आर्य आदि। मण्डल अध्यक्ष गोपाल जैन ने कुशल संचालन किया । शिक्षक गौरव सिंह ने शिक्षण दिया।

बागेश्वर (उत्तराखण्ड) में आर्य युवा शिविर सोल्लास सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली व आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में सैनिक हाई स्कूल, बागेश्वर में आर्य युवा शिविर सोल्लास सम्पन्न हुआ। आर्य नेता श्री गोबिन्दसिंह भण्डारी ने ध्वजारोहण किया। शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री व प्रदीप आर्य ने शिक्षण प्रदान किया।

करनाल के डी.ए.वी.पुलिस पब्लिक स्कूल में शिविर का शुभारम्भ

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् करनाल के तत्वावधान में डी.ए.वी.पुलिस पब्लिक स्कूल, मधुवन, करनाल में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सोल्लास सम्पन्न हुआ। आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के प्रधान श्री आनन्दसिंह आर्य का अभिनन्दन करते प्रि. अनीता गौतम,साथ में प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र कुकरेजा,शान्तिप्रकाश आर्य,जिला अध्यक्ष अजय आर्य,रोशन आर्य आदि। प्रधान शिक्षक सूर्यदेव आर्य के निर्देशन में विजय आर्य,सौरभ गुप्ता,विकास कुमार आदि ने शिक्षण दिया।

आर्य समाज, भलस्वा में शिविर सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् करनाल के तत्वावधान में डी.ए.वी.पुलिस पब्लिक स्कूल, मधुवन, करनाल में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सोल्लास सम्पन्न हुआ। आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के प्रधान श्री आनन्दसिंह आर्य का अभिनन्दन करते प्रि.,साथ में प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र कुकरेजा,शान्तिप्रकाश आर्य,जिला अध्यक्ष अजय आर्य,रोशन आर्य आदि। प्रधान शिक्षक सूर्यदेव आर्य के निर्देशन में विजय आर्य,सौरभ गुप्ता,विकास कुमार आदि ने शिक्षण दिया।

गायत्री मीना प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा के चुनाव में श्रीमती गायत्री मीना प्रधान, रविशंकर अग्रवाल–उपप्रधान व जितेन्द्र सिंह कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए व महिला समाज में ओमवती गुप्ता–प्रधाना, सरला कालरा–उपप्रधाना, आदर्श बिश्नोई–मंत्री व संतोष लाल कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। युवा उद्घोष की ओर से हार्दिक बधाई।

शोक समाचार : विनम्र श्रद्धाजंलि

1. श्रीमती उषा अग्रवाल (आर्य समाज, विवेक विहार) का निधन।
2. श्री जैसाराम टुटेजा (संरक्षक,आर्य समाज, बैंक एनक्लेव) का निधन।
3. श्री राजेश लूथरा (सुपुत्र श्रीमती राज लूथरा,सरोजनी नगर) का निधन ।
4. श्री सुरजीत (अनुज भाई प्रदीप आर्य, शिक्षक, रोहिणी) का निधन ।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970